चलो करें, हम तीर्थ वंदना। ॥ॐ नमः सिद्धेभ्यः॥ चलो करें, हम तीर्थ वंदना।

परम पूज्य शाश्वत सिद्धिधाम सम्मेदशिखर की पवित्र धरापर

श्री १००८ अजितनाथ एवं श्री शांतिनाथ भगवान के ज्ञान कल्याणक की मंगल तिथि पर

श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट मुम्बई द्वारा भव्य आयोजन

श्री १००८ पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनमंदिर के तीन उत्तुंग शिखरों का शिलान्यास महोत्सव

सोमवार, दिनांक २ जनवरी से बुधवार, दिनांक ४ जनवरी २०१२

प्रस्तावित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनमंदिर, श्री सम्मेदशिखरजी

आध्यात्मिक सत्पुरुषश्री कानजी स्वामी

सिद्ध क्षेत्र तीरथ परम, है उत्कृष्ट महान। शिखर सम्मेद सदा नमूँ, होय पाप की हानि॥

अगणित मुनि जहँते गये, लोक शिखर के तीर। तिनके पद पंकज नमूँ, नाशै भव की पीर॥

तीर्थ हमारी संस्कृति और सभ्यता के प्रतीक है। तीर्थ हमारी आस्था और भक्ति के आधार है। तीर्थ हमारी समृद्ध अतीत की धरोहर है। तीर्थ हमारी साधना और उपासना के केन्द्र है। तीर्थ हमारे पुराण, इतिहास के साक्षी है। तीर्थ हमारी अस्मिता की पहिचान है। तीर्थ सिर्फ अतीत की शान ही नही वर्तमान की पहचान भी है। तीर्थ यात्रा से साधर्मियों का मंगल-मिलन होता है।

सत्धर्मप्रेमी तीर्थभक्त श्री सादर शुद्धात्म वन्दन !

अहो महाभाग्य! मंगल संदेश प्रेषित करते हुये अत्यंत हर्ष हो रहा है कि भरत क्षेत्र के त्रिकाल तीर्थंकरों की शाश्वत निर्वाणभूमि तीर्थाधिराज श्री सम्मेदशिखरजी सिद्धक्षेत्र के प्रति अनन्य भक्ति रखनेवाले **आध्यात्मिक युगसृष्टा पूज्य गुरुदेवश्री कानजी स्वामी** के मंगल प्रभावना योग में **''श्री कुन्दकुन्द कहान नगर मधुबन - शिखरजी''** में भव्य जिनमंदिर के ऊपर **तीन विशाल शिखरों की मंगल शिलान्यास विधि** दिनांक २ जनवरी से ४ जनवरी २०१२ तक सम्पन्न होने जा रही है।

मांगलिक महोत्सव में देश के प्रख्यात अध्यात्म प्रवक्ता डॉ.उत्तमचंदजी सिवनी, तत्त्वरसिक दादा पं. श्री विमलचंदजी झांझरी, पं. श्री प्रदीपकुमारजी झांझरी, उज्जैन तथा पं. श्री रजनीभाई दोशी, हिम्मतनगर आदि विद्वानों के मांगलिक प्रवचनों का अमृतलाभ प्राप्त होगा।

महोत्सव के समस्त कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्र. पं. श्री जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली के निर्देशन एवं सहयोगी पं. श्री सुनीलजी 'धवल' भोपाल, पं. श्री कांतिकुमारजी, इन्दौर तथा गायक रमेशजी सनावद के द्वारा संपन्न होंगे।

जिनधर्म प्रभावना के इस मांगलिक अवसर पर, निज आत्महित के लिए आप सभी को परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारने का हमारा हार्दिक आमंत्रण है।

दैनिक कार्यक्रम

सोमवार, दिनांक २ जनवरी से बुधवार, दिनांक ४ जनवरी २०१२

शांतिजाप, श्री जिनेन्द्र अभिषेक एवं पूजन, गुरुदेवश्री कानजी स्वामी का सी. डी. प्रवचन, भगवान आदिनाथ, भगवान महावीर तथा श्री सीमंधर पंचकल्याणक विधान, विद्वत प्रवचन, जिनेन्द्र भक्ति, तत्त्वचर्चा, ज्ञानगोष्ठी, शिलान्यास सभा एवं विधि।

विधान कर्ता

डॉ. शरदजी जैन, भोपाल

श्री रमेशचंदजी कोदरलालजी दोशी, मुंबई

श्री अनिलभाईजी बाबूलालजी दोशी, मुंबई

विशेष कार्यक्रम

सोमवार, दिनांक २ जनवरी २०१२	मंगलवार, दिनांक ३ जनवरी २०१२	बुधवार, दिनांक ४ जनवरी २०१२
ध्वजारोहण,मंडप उद्घाटन, भगवान श्री आदिनाथ पंचकल्याणक विधान, भगवान श्री चन्द्रप्रभ एवं भगवान श्री आदिनाथ जिनवेदी के शिखर की शिलान्यास सभा एवं विधि।	भगवान श्री सीमंधर पंचकल्याणक विधान। भगवान श्री सीमंधर एवं भगवान श्री महावीर स्वामी जिनवेदी के शिखर की शिलान्यास सभा तथा शिलान्यास विधि।	भगवान श्री महावीर स्वामी पंचकल्याणक विधान एवं मूलनायक भगवान श्री पार्श्वनाथ जिनवेदी के शिखर की शिलान्यास सभा एवं शिलान्यास विधि।
शिलान्यास कर्ता	**शिलान्यास कर्ता**	**शिलान्यास कर्ता**
श्रीमती कुसुम-बिमलकुमारजी जैन परिवार, विवेक बिहार, दिल्ली।	श्रीमती वसुमतिबेन-प्रकाशचंदजी बखारिया परिवार, मुंबई हस्ते - परेशभाई	श्री नेमिषभाई शांतिलालजी शाह एवं श्री अनंतभाई ए. शेठ परिवार, मुंबई

झंडारोहण - श्री निहालचंदजी ओसवाल परिवार, जयपुर।

साधर्मी वात्सल्यभोजन - श्री भबूतमलजी चंपालालजी भंडारी, बैंगलोर

कार्यक्रम स्थल :- श्री कुन्दकुन्द कहान नगर, तेरापंथी दिगंबर जैन कोठी के पीछे, मधुबन, शिखरजी

संपर्क सूत्र
श्री महीपाल ज्ञायक। मोबा. - 09414103475
श्री. चंद्रप्रकाश जैन, मैनेजर - कुंदकुंद कहान नगर, शिखरजी। मोबा.- 07250536682

निवेदक : श्री कुन्दकुन्द कहान दिगंबर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट,मुंबई अध्यक्ष : बाबू जुगल किशोरजी 'युगल' कोटा, महामंत्री : वसंतलाल एम. दोशी,

ट्रस्टीगणः श्री धन्यकुमार बेलोकर गजपंथा(उपाध्यक्ष), श्री सुमनभाईआर.दोशी,राजकोट(उपाध्यक्ष), श्री पूनमचंद लुहाडिया (कोषाध्यक्ष), श्री महीपाल ज्ञायक बांसवाडा(मंत्री), श्री जवाहरलाल बड़कुल, विदिशा, श्री भबूतमल भंडारी बैंगलोर, श्री अनंतराय ए. शेठ मुंबई, अमृतभाई सी.मेहता फतेपुर, पं. श्री उत्तमचंद सिवनी,श्री आलोककुमार जैन कानपुर, श्री बिमल कुमार जैन दिल्ली।
सहयोगी-पं. श्री रजनीभाई दोशी हिम्मत नगर, श्री अशोक कुमार जैन जबलपुर, श्री भरतभाई टिंबडिया कोलकाता, श्री विजयी बडजात्या इंदौर

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, शनिवार, दिनांक २४ नवंबर से गुरुवार, २९ नवंबर २०१२

आवश्यक सूचना : कृपया आप अपने आगमन की सूचना हमें शीघ्र प्रेषित करें, जिससे आपके आवास की समुचित व्यवस्था की जा सके।